दफ़नाया जाना

धन्य स्वर्गीय पिता, पवित्र आत्मा की उस—उस उपस्थिति के साथ में जो कि पहले से यहां पर है, हम आपके पवित्र वचन के समीप आते हैं। और हालाँकि मेरी आवाज़ खराब है, रूक रूककर बोलने की कोशिश कर रहा हूँ और शब्दों को बस उतनी ही धीमी और संतुलित गति से बोलते हुए जितना कि मैं कर सकता हूं, मैं आपके दिव्य मार्गदर्शन के लिए मांगता हूँ और पवित्र आत्मा का अभिषेक आज रात्रि हमारे बीच में मंडराए। और होने पाए कि वो जो कि सर्वव्यापी है, होने पाए वो परमेश्वर के वचन को ले और इसे सारे हृदयों में डाल दे, बिल्कुल वैसे ही जैसे हमें उसकी आवश्यकता है। होने पाए कि वह हमें आज रात्रि परमेश्वर की अच्छी चीजों के ऊपर खिलाये।

2 और आज रात्रि, जबकि हम उसके वचन पर बोलते हैं, होने पाए कि हमारे हृदय कलवरी तक मीलों तक का सफर तय करते हुए जाएं, जहां पर यीशु ने सर्व पर्याप्त दाम को चुकाया था जिसकी आवश्यकता परमेश्वर के उस बड़े न्याय के अनुसार अदन की वाटिका से लेकर थी। और आज होने पाए कि हमें इस बात का अहसास हो जाये कि हम उसके पुनरुत्थान, ओर उसकी मृत्यु, दफनाए जाने और पुनरूत्थान के द्वारा उदारता से धर्मी ठहराये गए हैं।

3 और आज रात्रि हम और अधिक संसार के नहीं हैं, क्योंकि हमें परमेश्वर के पुत्र के बहूमूल्य लहु के द्वारा खरीदा जा चुका है। और होने पाए कि हम आभारी हृदयों के साथ, आपकी ओर मुडे अपने संपूर्ण मन और शक्ति के साथ और उन सभी चीजों के साथ जो कि हमारे भीतर हैं और आपकी सेवा शुद्ध और मिलावट रहित हृदय के साथ करे।

4 पिता, आज रात्रि यह प्रदान करें, यदि यहां पर कुछ ऐसे है जो कि अपने पापों की क्षमा के लिए आप को नहीं जानते हैं, होने पाए कि आज रात्रि वे नम्रतापूर्वक क्रूस के पास आएं, और वहां पर वे अपने पापों को परमेश्वर के सामने अंगीकार करे जो कि क्षमा करने के लिए एक न्यायी परमेश्वर है। और होने पाए कि यह रात्रि हम सभी के लिए एक महान रात्रि हो। इसे हम आपके पुत्र प्रभु यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

5 अब हमें इस बात का अहसास है कि धरती पर कोई भी ऐसा नहीं है, जो कि पर्याप्त रूप से परमेश्वर के वचन को लेकर और उसे प्रगट करने के योग्य है, क्योंकि वचन प्रेरणा के साथ लिखा गया है। पवित्र आत्मा वचन का लेखक है।

6 और जब स्वर्ग में किसी एक को ढूढ़ा गया, कि वो उस किताब को ले और मोहरों को खोले, वहां एक को नहीं पाया न स्वर्ग में, न ही धरती पर, ना ही धरती के नीचे, जो कि मोहरों को खोलने के योग्य हों, या यहां तक कि उस किताब को देखने के लिए भी योग्य हो। और वहां पर एक मेमना था जो कि जगत की नीव डालने से पहले घात हुआ था, और उसने आकर और जो सिंहासन पर बैठा था, उसके हाथ से उस किताब को ले लिया, और मोहरों को खोल दिया और वचन को खोल दिया।

7 और आज रात्रि हम उस पर विश्वास कर रहे हैं और उस पर भरोसा कर रहे हैं, कि वह हमारे लिए वचन को खोल देगा, और अब जैसे कि मैं प्रेरितों के काम का दूसरा अध्याय पढ़ने जा रहा हूं।

8 जैसे कि मैंने पहली रात्रि प्रचार किया था, और मैंने प्रभु यीशु का... *दूसरा आगमन* के ऊपर बोला था, जो कि बुधवार था। और गुरुवार को *सर्व पर्याप्त बलिदान* के ऊपर बोला था। और शुक्रवार रात्रि को *सर्व पर्याप्त प्रायश्चिता: सिद्धता* के ऊपर बोला था। क्या आपने इसे पिछली रात्रि सुना था? वो सिद्ध, हम परमेश्वर की दृष्टि में किस प्रकार से पूर्ण रूप से निर्दोष और सिद्ध हो सकते हैं! और आज रात्रि *दफ़नाया जाना* पर करूंगा। और कल *पुनरुत्थान* है। बस जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ते जाते हैं।

9 अब मैंने अपने वचन के पढ़े जाने के लिए आज रात्रि चुना है, प्रेरितों के काम की किताब में से, उसका दूसरा अध्याय और उसकी 25, 26, और साथ ही 27वे पदों को। और यह इस प्रकार से हैं, पतरस बोल रहा है।

> *क्योंकि दाऊद उसके विषय में* कहता है; *कि मैं प्रभु को सर्वदा अपने सामने देखता रहा क्योंकि वह मेरी दहिनी ओर है ताकि मैं डिग न जाऊं।*
>
> *इसी कारण मेरा मन आनन्द हुआ, और मेरी जीभ मगन हुई; वरन मेरा शरीर भी आशा में बसा रहेगा:*
>
> *क्योंकि तू मेरे प्राणों को अद्योलोक में न छोड़ेगा, और न* अपने *पवित्र जन को सड़ने देगा।*

10 इस रात्रि के लिए उसका कब्र में होने का क्या ही सुन्दर पाठ है।

11 पहली बात जिस पर... हम आपका ध्यान उस ओर आकर्षित करना चाहते हैं, जो कि परमेश्वर का वचन अचूक है। परमेश्वर अपने वचन को शब्द दर शब्द पूरा करता है। और आज रात्रि हम अपने विचारों को उस बात पर कसना चाहते है जो कि परमेश्वर अपने वचन को पूरा करता है। हम परमेश्वर की उसके वचन में कही ऐसी किसी बात पर निश्चिन्त होकर विश्राम कर सकते हैं कि वह सत्य बात है। और विश्वास मनुष्य के विचारों की अस्थिर रेत पर या मनुष्य के धर्मशास्त्रज्ञान पर विश्राम नहीं करता है, लेकिन उसका अंतिम विश्राम स्थल परमेश्वर के अनन्त वचन रूपी न हिलने वाली चट्टान पर होता है।

12 वचन! यदि परमेश्वर ने कहा है, तो वह हमेशा के लिए सत्य होता है। वह कभी भी उसे वापस लेकर यह नहीं कह सकता है, "मेरा अर्थ ऐसा नहीं था।" मैं बातों को कह सकता हूं और आप बातों को कह सकते हैं, तब हम इच्छुक है कि उन बातों को वापस ले, क्योंकि हमने उसे अपने सबसे अच्छे ज्ञान के द्वारा और अपनी सबसे अच्छी योग्यता के द्वारा कहा होता है। लेकिन, तब, परमेश्वर हमसे बहुत अधिक भिन्न है। वह अनन्त है, इसीलिए वह एक भी बात ऐसी नहीं कहता है जब तक कि वह पूरी तरह से सिद्ध नहीं होती है। उसे उसको वापस नहीं लेना होता है, उसे इसे कहने पर कभी भी क्षमा नहीं मांगनी होती है। वह बात हमेशा ही सत्य बनी रहती है।

13 यहाँ तक कि यीशु, इन महान दिनों में जब कि हम आनंद मना रहे हैं, जबकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को संसार के पापों के लिए घात किया, यह बात यहाँ तक शायद नीव रखे जाने के हजारों वर्ष पहले हुई हो। परमेश्वर ने वचन बोला, और जब स्वर्ग में परमेश्वर ने इसे बोला तो यह पूर्ण हुआ उत्पादन था; यह पहले से ही पूरा हुआ है। ओह, यदि हम बस केवल उस बात के अर्थ को पकड़ पाते है, तो हम क्या ही भिन्न मनुष्य होंगे! उसकी किताबो में देखना, कि आज्ञालंघन के लिए यहाँ पर क्या न्याय है, ये बात मनुष्य को खुद को घडी दर घडी जांचने को लगाएगी; और ये धर्मी जन को घड़ी दर घडी आनन्द करने को लगाएगी, उन आशीषों के विषय में पढ़कर जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने विश्वासयोग्य लोगो के लिए की हैं। और हम निश्चिन्त कर विश्राम कर सकते हैं कि परमेश्वर का हर एक वचन पूरा

होगा, बस हमें अपने प्राण का लंगर इस पर डालना है। हमेशा से ऐसा ही रहा है।

14 जब परमेश्वर ने नूह से बात की, वहां बहुत पहले प्रलयपूर्व संसार में; हो सकता है शायद यह बात बाइबिल लिखने से भी पहले हुई, या यह बाइबिल कैसे भी कभी लिखी गयी थी; परमेश्वर ने नूह को बताया कि एक तूफान आनेवाला है, और पानी सारी धरती को ढांपने जा रहा है। और बिना प्रमाण का चिन्ह कि यह बात घटित होगी, सारी चीजे विपरीत थी, नूह भय के साथ आगे बढ़ा, और जहाज को बनाया, उसने इसे तैयार किया। यह उसके घराने और उसके खुद के बचाव के लिए था। और परमेश्वर ने कभी भी उसको नीचा नहीं दिखाया, क्योंकि यह उसका वचन था। उसे घटित होना ही था जब परमेश्वर ने कहा तो यह घटित होगा।

15 अब, जब अय्यूब जो कि बाइबिल में लिखीं गई सबसे पुरानी किताब है, जो कि शायद उत्पत्ति के लिखे जाने के पहले लिखी गई, और उसे बाईबिल में शामिल किया गया। और मूसा ने उत्पत्ति को लिखा। अय्यूब ने उसकी किताब में, उसने गंभीरता से उस प्रतिज्ञा पर विश्राम किया जो कि परमेश्वर ने उससे की थी। और वह उसके उस होमबलि के पास खड़ा हुआ था, अपने हृदय में बिना किसी भय के; इस बात को जानते हुए कि जो परमेश्वर ने कहा है, वह उसे करने में सक्षम था। और जब सब कुछ विपरीत दिखाई दिया था, अय्यूब दृढ़तापूर्वक खड़ा रहा क्योंकि परमेश्वर की प्रतिज्ञा दृढ़ थी। परमेश्वर ने अय्यूब से प्रतिज्ञा की और अय्यूब ने उस प्रतिज्ञा पर विश्राम किया।

16 ओह, यदि कलीसिया कभी एक ऐसे स्थान पर पहुंच पाती जब ये दृढ़तापूर्वक परमेश्वर के अनन्त वचन पर विश्राम कर पाती उसके सत्य होने पर! ये क्या ही भिन्न बात होगी, क्या ही वो सुधार करने का कार्य होगा, वहां क्या ही काटना–छांटना होगा, वहां पर क्या ही आनन्द होगा, वहां पर क्या ही सामर्थ होगी, जबकि पुरुष और स्त्री परमेश्वर को उसके अंकित मूल्य पर ले, जो उसने कहा वो सत्य है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि परिस्थितियां कैसी भी दिखती हो, इससे इस बात का कुछ भी लेना देना नहीं है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है; मामला वही समाप्त हो जाता है।

17 और अय्यूब, जब वह अपने सारे अनुभवो में सबसे कठिन परीक्षाओं के समय में था; जब उसे परमेश्वर की उपस्थिति में एक धर्मी मनुष्य पाया गया था। यहां तक कि परमेश्वर ने कहा कि वो सिद्ध था। धरती पर उसके जैसा कोई नहीं था। और शैतान को यह अवसर दिया गे कि उसकी परीक्षा करे, कहा, "मैं उससे तेरे मुंह पर तेरे प्रति अपशब्द निकलवाऊंगा।"

18 और उसने लगभग अय्यूब के जीवन को ले लिया, और वो ऐसा कर देता, लेकिन परमेश्वर ने सीमा रेखा को खींचा, कहा, "तू जो चाहे उसके साथ कर सकता है, लेकिन उसका जीवन न लेना।"

19 उसके बाद जब फिर अय्यूब उसी परीक्षा के संकटकाल की घड़ी में खड़ा रहा, उसने कहा, "मैं जानता हूँ, कि मेरा छुड़ानेवाला जीवित है, और अंतिम दिनों में वो धरती पर खड़ा होगा। चाहे खाल को नष्ट करने वाले कीडे इस शरीर का नष्ट भी कर दें, फिर भी इसी देह में होकर मैं परमेश्वर को देखूंगा।" इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कितना अंधियारा दिखाई पड़ा, कितना अवास्तविक दिखाई पड़ा, वहां पर कुछ तो ऐसा था जिस पर अय्यूब ने अपने प्राण का लंगर डाल दिया था, परमेश्वर की अनन्त प्रतिज्ञा के ऊपर। ओह, यदि हम वैसा कर पाते! ध्यान दें, उसने प्रतिज्ञा पर विश्राम किया, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ानेवाला जीवित है।"

20 और मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें, मेरे द्वारा आगे बोले जाने वाले शब्दों पर जिसे मैं कहना चाहता हूं, अय्यूब ने अपने दफनाए जाने वाले स्थान विस्तार किया। और जब अय्यूब की मृत्यु हुई उसको उसी प्रकार से दफनाया गया।

21 वहां एक और मनुष्य था जिसका नाम अब्राहम था, जिसने परमेश्वर को उसके वचन पर लिया। और उसने परमेश्वर पर विश्वास किया। और उसने परमेश्वर की उससे की गई प्रतिज्ञा के विपरीत उन बातों को ऐसा बताया, जैसे कि वो बातें थी ही नहीं। उसने परमेश्वर को उसके वचन पर लिया। और दिन गुजरते गए, और सप्ताह और महीने, और यहां तक कि वर्षो गुजर गए, इस बात ने अब्राहम को कभी जरा भी चिंतित नहीं किया। बाईबिल ने कहा, "वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर अविश्वास करते हुए लड़खड़ाया नहीं; लेकिन वह विश्वास में बना रहा, परमेश्वर के निमित स्तुती करता रहा।

22 जब कि सब कुछ, हर एक दिन ऐसा प्रतीत होता था, यह हर एक दिन और अधिक कठिन होता गया; लेकिन बजाए कमजोर होने के, अय्यूब हर एक दिन मजबूत होता गया। ओह, क्या ही धन्य आश्वासन हमारे पास में है! जब उस बात को करने के लिए कठिनाईयां उठती हुई दिखाई देती हैं, जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने की है, जो एक असम्भव बात है; बजाए इसके कि डरकर हम संसार में वापस चले जाएं, हम जितना पहले कभी खड़े थे उसकी तुलना में और अधिक दृढ़ता के साथ **यहोवा यों कहता है** पर खड़े होना चाहिए। इससे बात को समाप्त हो जाना चाहिए, जब परमेश्वर कुछ कहता है।

23 अब्राहम ने उन बातों को ऐसा बताया, जैसे की वो बातें थी ही नहीं, क्योंकि वे परमेश्वर के वचन के विपरीत थी। और जब अब्राहम ने अपनी हृदयप्रिय और पत्नी, सारा को उसके साथ बहुत सारे वर्षो तक रहने के बाद खो दिया, उसने जमीन के एक टुकड़े को वहां पर खरीदा जहां पर पास ही अय्यूब को दफनाया गया था, और सारा को दफना दिया। सोचता हूँ क्यों? वे भविष्यद्वक्ता थे! उन्होंने देखा था! उन्होंने परमेश्वर से संपर्क किया था! और अब जब अब्राहम की मृत्यु हुई, उसे सारा के पास दफनाया गया।

24 अब, वह यह नहीं चाहता था कि वे लोग उसे जमीन के उस टुकड़े को ऐसे ही दें। उसने उसे गवाहों के सामने खरीदा। बपतिस्मे का क्या ही सुन्दर चित्रण है। उसने गवाहों के सामने खरीदा, यह अब उसकी संपत्ति है। ओह, उसी प्रकार से एक सच्चे विश्वासी को आना चाहिए, उसे किसी कोने में नहीं चले जाना चाहिए, लेकिन गवाहों के सामने खड़ा होना चाहिए, "मैं प्रभु यीशु का, और पवित्र आत्मा का, और उसके महान कार्यों का गवाह हूं," और ऐसा ही और अधिक, जब हम उस बुरे दिन को नजदीक आते हुए देखते हैं।

25 और फिर जब अब्राहम का पुत्र, जो कि इसहाक था, प्रतिज्ञा उसे दी गई थी। और जब इसहाक की मृत्यु हुई, उसको अब्राहम के साथ दफनाया गया था। और इसहाक को याकूब उत्पन्न हुआ।

26 और जब याकूब... की मृत्यु वहां दूर मिस्र में हुई थी। लेकिन ध्यान दे, इससे पहले कि उसकी मृत्यु होती, उसने अपने भविष्यवक्ता पुत्र युसुफ को कहा, "इधर आ, पुत्र और अपने हाथ मेरी अपंग जांघ पर रख।" क्योंकि आपको याद होगा कि वह कैसे अपंग हुआ था, क्योंकि परमेश्वर के दूत ने

उसकी जांघ को छुआ था, और उस दिन के बाद से वो लंगड़ाने लगा था। उसने कहा, "अपने हाथ को मेरी जांघ पर रख, और हमारे पिताओ के परमेश्वर की मुझसे शपथ खा, कि तू मुझे यहां मिस्त्र में नहीं दफनाएगा।" क्यों? ओह, उनके पास वचन था, उनके पास प्रकाशन था!

27 और मैं यहां पर यह कहने के लिए रुक सकता हूँ कि जीवते परमेश्वर की कलीसिया दैविक प्रकाशन के ऊपर बनी है; ना ही संस्थाओ पर, संगठनाओ, ना ही मत और सिद्वान्तों पर, लेकिन जीवित परमेश्वर के आत्मिक रूप से प्रगट सच्चाई पर बनी है।

28 हाबिल ने अदन की वाटिका में, उसके पास यह था जब कलीसिया की शुरूआत हुई थी। उसने यह कैसे जाना कि मेमने को लेकर आना है? कैन की तरह वो फलों को लेकर क्यों नही आया? लेकिन उस पर यह प्रंगट किया गया था!

29 यीशु ने एक बार बोलते हुए, कहा, "लोग मुझ मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं? "

"कुछ कहते हैं कि तू 'मूसा' और 'एल्ियाह' और इत्यादि है।"

उसने कहा, "लेकिन तुम मुझे क्या कहते हो? "

30 आप समझे, यह इस बात पर निर्भर नहीं करता है कि कोई क्या सोचता है, यह ऐसा है जो कि आप जानते है कि सत्य है। "*तुम* क्या कहते हो? " इस प्रश्न से हम में सभी के सामने रखा जायेगा आज रात्रि हमारे सम्मुख है, "तुम क्या कहते है? "

31 और पतरस तुरंत ही बिना किसी झिझक के बोलता है, कहा, "तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।"

32 जैसा कि यीशु जो कि हृदयों के गुप्त विचारों को जानता था, क्योंकि वह और कुछ नहीं वरन यहोवा था जो कि देह में प्रगट हुआ था, और उसने कहा, "धन्य है तू शिमौन, बरजौना के पुत्र, क्योंकि मांस और लहु ने यह बात तुझ पर प्रगट नहीं की है, लेकिन मेरे पिता ने इसे की है जो कि स्वर्ग में हैं। और इसी चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा, और अद्योलोक के फाटक इस पर प्रबल नहीं होंगे।"

33 और हम लोग जैसे कि हम आते हैं, हम लूथरन लोग विश्वास के द्वारा चलना चाहते हैं, और मेथोडिस्ट लोग उसे पाने के लिए चिल्लाना चाहते हैं,

आप जो कि पेन्तेकोस्टल हैं, इसे पाने के लिए अन्य–अन्य भाषा में बोलना चाहते हैं, लेकिन ये उस बात से सौ मील की दूरी पर है।

34 यह तो एक प्रभु यीशु मसीह का दैविक प्रकाशन है, उसके आस्तित्व का वो व्यक्ति जो कि हृदय में प्रगट होता है, "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसियां बनाऊँगा, और अद्योलोक के फाटक उस पर प्रबल नही होंगे।" यह मत्ती :24, 5:24, या संत यूहन्ना 5:24 के साथ सिद्ध रूप में मेल खाता है, "वह जो मेरे वचनों को सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है उसके पास अनन्त जीवन है; और वो न्याय में नहीं आएगा, लेकिन वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।" यह इसलिए नहीं है कि आप ने कुछ किया हो, या आपकी कोई भावनाओं है; लेकिन आप को यह सौभाग्य मिला है कि आप पर स्वर्ग से मसीह के प्रगट होने का, "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा।"

35 और याकूब, जब उसकी मृत्यु हुई, उसके पुत्र ने उसकी देह को उठाया, और उसको अब्राहम, इसहाक, सारा, और अय्यूब के साथ पवित्र नगर फिलस्तीन मैं दफना दिया।

36 उसके बाद युसुफ, एक भविष्यवक्ता होने के कारण। वह मिस्त्र में फलने–फूलने लगा। वह परमेश्वर को जानता था। परमेश्वर ने अपने आप को उस पर प्रगट किया था। और जब उसकी मृत्यु हुई, कहा, "तुम मेरी हड्डियाँ को यहाँ पर न दफनाना, लेकिन... रखना... जब... किसी दिन निश्चित रूप में परमेश्वर तुम से भेंट करेगा!" क्यों? उसने दृढ़तापूर्वक परमेश्वर के उस वचन पर विश्राम किया जो कि मूसा को दिया गया था, "चार सौ वर्ष तक वे इस देश की सेवा करेंगे, लेकिन मैं उन्हें बाहर निकाल कर ले आऊँगा।" उसने दृढ़तापूर्वक वचन पर विश्राम किया।

37 और यहाँ पर क्या ही एक सुन्दर उदहारण है, यदि आप ध्यान दे। हर एक ईब्रानी जो कि वहाँ से होकर जाता था, जिसकी पीठ दास चालक के द्वारा कोढ़े मार कर छलनी कर दी गई थी। और जब उसने अपने भविष्यवक्ता युसुफ की हड्डियों को देखा, वह यह जान गया कि किसी दिन वे बाहर आ जायेंगे। क्योंकि, वे हड्डियां वहां पर यादगार के रूप में रखी हुई थी, कि किसी दिन वे बाहर निकल आयेंगे।

38 इस बात को लगभग पन्द्रह या अठारह वर्ष हो गए जब बिली पॉल लगभग पांच वर्ष का छोटा लड़का था, मुश्किल से इतना होगा... हमारे

पास एक छोटा सा फूल था जो कि हम उसकी माँ की कब्र पर दिन खुलने पर सुबह ले जा रहे थे, ईस्टर पर, बस सूरज ऊपर आ ही रहा था; ऊपर आने ही वाला था या ये दिन निकलने के पहले था, फिर हमें आराधना में जाना था। और जब हम कब्र के पास चलकर गए, इस छोटे बच्चे ने अपनी टोपी उतारी और जैसे हम उस जगह पर पहुंचे जहाँ पर उसकी छोटी बहन और माँ को दफनाया गया था। और वह सिसकने लगा और रोने लगा, और उसने कहा, "पिताजी, क्या माँ वहाँ नीचे उस गड्ढे में है? "

39 मैंने कहा, "नहीं, पुत्र। वो वहाँ उस गड्ढे में नहीं है। वो मुझसे और तुमसे लाखों गुना अच्छी जगह पर है।"

उसने कहा, "क्या मैं माँ को फिर से देखूंगा? "

40 मैंने कहा, "परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, यदि तुम ये इच्छा रखते हो, तो तुम उसे फिर से देख सकते हो।"

कहा, "क्या उनका शरीर कभी इस कब्र से बाहर आयेगा? "

41 मैंने कहा, "प्रिय, अपनी आँखों को बन्द करो, और मैं तुम्हे एक कहानी सुनाता हूं। कई सैकड़ो वर्ष पहले, आज ही की सुबह एक कब्र थी जो कि खाली हो गई थी।" मैंने कहा, "यह एक यादगार है 'उन लोगो के लिए जो परमेश्वर में सोते है, उन्हें मसीह अपने साथ लेकर आएगा जब उसका आगमन होगा।'" बिना किसी संदेह की छाया के, मैं दृढ़तापूर्वक परमेश्वर की अनन्त प्रतिज्ञा पर विश्राम करता हूं।

42 जिस प्रकार से पुराने समय के अय्यूब ने कहा, जब हम "राख से राख ओर मिट्टी से मिट्टी" शब्द सुनते हैं, यह मुझे उस व्यक्ति लांगफेलो कि याद दिलाता है जिसने कहा:

> दुख भरे स्वरों में मुझे न बताओ,
> जीवन बस एक खोखला सपना है!
> और वो प्राण मरा हुआ है जो नींद में है,
> और चीजे वैसी नहीं जैसे कि प्रतीत होती हैं।

उसने कहा:

हाँ, जीवन वास्तविक है! जीवन धरोहर है!
और कब्र इसका लक्ष्य नहीं है;
क्योंकि तू मिट्टी है और मिट्टी में मिल जाता है,
यह प्राण के लिए नहीं बोला गया था।

43 वे उसे दैविक शरीर कहते हैं, कि जब हम यहाँ से चले जाते हैं हम कहीं और चले जाते हैं। यह चाहे जो भी कुछ हो, मैं उस प्रेरित के शब्दों को लेता हूं, जब उसने कहा था, "यदि यह पृथ्वी का डेरे सरीखा घर गिराया जाएगा, हमारे पास पहले से एक है जो कि हमारे लिए रुका हुआ है, कि हम *इसमें* से, उसके अंदर चले जाये।"

44 अब्राहम, इसहाक, याकूब, अय्यूब, और सारे भविष्यवक्ता, उन्होंने भरोसा किया और विश्वास करते थे कि एक पुनरूत्थान होने वाला है, कि एक छुड़ानेवाला आने वाला था। उन्होंने उसके विषय में भविष्यवाणी की। हनोक ने उसके विषय में भविष्यवाणी की; उसने उस पर दृढ़तापूर्वक विश्राम किया, अपनी गवाही को इसके साथ मोहरबन्द किया। इसहाक, याकूब, दानिय्येल, यिर्मयाह, यहेजकेल, वे दृढ़तापूर्वक उस समय पर विश्राम कर रहे थे कि मसीह आएगा।

45 और उनकी मृत्यु हुई और उनके प्राण स्वर्ग में चले गए। वे परमेश्वर की उपस्थिति में नहीं जा सकते थे, क्योंकि (यह हमने पिछली रात्रि इसे लिया था) कि बैलों और बकरियों के लहू के द्वारा पापों की क्षमा नहीं हो सकती थी; ये केवल पापों को ढांपा करते थे, यह उस दिन के विषय में बता रहा था जब उस सिद्ध बलि को आना था; क्योंकि जानवरों का लहू आराधना करने वाले के ऊपर वापस नहीं आ सकता था, क्योंकि तब वे उस प्रकार की बलियों को देना बंद नहीं करते।

46 लेकिन जब परमेश्वर का पुत्र मरा, जो जीवन जो उसमें था वह कुछ और नहीं लेकिन परमेश्वर का था, ताकि वो वापस आकर और परमेश्वर के परिवार में हमारा लेपालकपन कर सके। और अब हम उसके लहू के जीवन के द्वारा परमेश्वर की संतान है।

47 अब जल्दी से ध्यान दे, जब हम उस बात को देखते है। जब वहां पहले पुराने नियम में और जिन्होंने विश्वास किया और आराधना की, और उस समय की बाट जोहते हुए विश्वास में उनकी मुत्यु हुई। वह कारण जिसके लिए उन भविष्यवक्ताओ ने ऐसा किया, और वे चाहते कि उनको फिलस्तीन

में दफनाया जाए, वे जानते थे कि पुनरूत्थान मिस्त्र में नहीं होने जा रहा है। यह केवल फिलस्तीन में होने जा रहा था।

48 इसीलिए मैं आज रात को कहता हूं: मुझे बहुत तरह के नाम दिए गए हैं; मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूं कि लोग मुझे क्या पुकारते हैं, इससे मुझे कुछ भी फर्क नहीं पड़ता है। केवल एक ही चीज है जो कि मैं करना चाहता हूं, कि मैं इसे जान जाऊं; कि मैं मरते आ रहा हूँ, और परमेश्वर के जरिये से मेरा जीवन मसीह में छुपा हुआ है, और पवित्र आत्मा के द्वारा मोहरबन्द है; और जब वह मरे हुओं में से पुकारे, मैं उस दिन पर उत्तर दूंगा। मुझे मसीह में दफन करो, क्योंकि वे जो कि मसीह में हैं, परमेश्वर उन्हें उस दिन पर अपने साथ लेकर आएगा।

49 हम कैसे मसीह में आते हैं? पहला कुरिन्थियों 12:13, "एक ही आत्मा के द्वारा हमारा बपतिस्मा एक ही देह में हुआ है, और हम परमेश्वर के राज्य के सह नागरिक बन जाते हैं।" हम इस धरती पर यात्री और परदेसी होने का दावा करते हैं, सांसारिक वस्तुओं की इच्छा की और अधिक चाह नहीं रखते हैं, लेकिन उस धन्य राजा के आगमन की बाट जोह रहे हैं कि आकर अधिकार को ले, समुन्द्र से लेकर सीमाहीन समुन्द्र तक, जब वह उसकी महिमा में आता है। निश्चित रूप से, हम उसके आने की बाट जोह रहे है।

50 और फिर मेरे मन में कोई भी संदेह नहीं है, और यही बात यीशु के मन में थी जब वो यहाँ धरती पर था, जो कि परमेश्वर के अनंत वचन की अचूकता है। क्योंकि, हम जानते हैं कि उसमें परमेश्वरत्व की देह की परिपूर्णता सदेह वास करती थी। संपूर्ण परमेश्वरत्व उसमें था। वो पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा दोनो था, लेकिन वो मनुष्य रूप में वास करता था; परमेश्वर का दैविक शरीर, परमेश्वर का वह महान स्वरूप जिसमें कि उसने मनुष्य को बनाया, फिर उसे धरती पर रखा। उसके पास एक देह थी। परमेश्वर बिना किसी देह के नहीं है। परमेश्वर के पास एक देह है, और वह मनुष्य के सामान दिखती है। मूसा ने उसको देखा, दूसरो ने इसे देखा, और वह मनुष्य के सामान दिखा।

51 और यह बस एक उस बात का प्रभाव है, जो *इसका* है, यह जो है। और धरती पर हर एक चीज, सुन्दरता, मधुरता, धरती की सुन्दरता, इस संसार में कुछ और नहीं बल्कि एक उस बात का उत्तर है जो कि इस बात

से बहुत अधिक बेहतर है, जो कि हमारे लिये रुकी रहती है जब हम इस संसार को छोड़कर जाते है। क्योंकि, धरती पर की हर एक बात उस हर एक बात का नमूना है जो कि स्वर्ग में है। हर एक चीज जो कि अच्छी है, हर एक चीज जो कि धार्मिक़ है, हर एक बात जो कि सुन्दर है, जैसे वृक्ष, चिड़ियां, हर एक चीज, वह बस एक प्रतिरूप है जो स्वर्ग में हैं।

52 हमारा अपना जीवन बस एक प्रतिरूप है। ये तो बस एक छाया है, और एक वास्तविक चीज नहीं है। ये तो प्रतिछाया का या निगेटिव भाग है। इस तस्वीर को तैयार करने के लिए मृत्यु की आवश्यकता पडती है, हमे वापस उस दैविक शारीर में डालने के लिए जहाँ पर से हम आए है। तब फिर पुनरुत्थान में हम उसके स्वरूप में आते है, एक पुनरुत्थीत देह में आते हैं। क्या ही सुन्दर है; केवल सुन्दर ही नहीं, लेकिन यह वास्तविक है, परमेश्वर के अनन्त वचन का पवित्र सत्य है, कि हम उसके सामान होंगे।

53 अब घ्यान दें, यीशु परमेश्वर की सारी सामर्थ से सुसज्जित था, लेकिन, जब उसकी भेंट शैतान से हुई, उसने अपनी सामर्थ का उपयोग कभी नहीं किया। उसने केवल वचन का हवाला दिया! उसने किया। उसने कहा, "ऐसा लिखा है, 'मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित न रहेगा, लेकिन उस हर एक वचन से जीवित रहेगा जो कि परमेश्वर के मुख से निकलता है।' "

54 तब फिर आप यह कैसे कह सकते हैं कि आप घर पर रूक सकते हैं और उतने ही अच्छे मसीह हो सकते है जितने कि आप कलीसिया में जाने पर होंगे? आप वैसा नही कर सकते हैं। वचन को पढें! पवित्र आत्मा वचन से खिलाता है। बाइबिल उसकी कलीसिया के लिए परमेश्वर का आत्मिक भोजन है। और पवित्र आत्मा ही है जो कि उसे आपके पास लेकर आता है और उसे आपके हृदय में रखता है, और धन्यवाद देने के साथ आप उसे पानी देते हैं। और हर एक दिव्य प्रतिज्ञा ठीक उसी प्रकार से उत्पन्न करेगी जैसा कि परमेश्वर ने कहा ये करेगी। उसे वैसा करना ही है। यह उसका वचन है, और यह जीवन है।

55 अब, मैं यह भूल गया था कि मुझे बस आधा घंटा लेना चाहिए था। मुझे उस बात को कहने के लिए जो कि मैं कहना चाहता हूं बहुत समय लगता है।

56 लेकिन यीशु को उसके जीवन के अंतिम एक या दो घंटो में ध्यान दे, बहुत सी, बहुत सी भविष्यवाणीयां पूरी हुई।

57 किसी ने मुझसे कहा, "भाई ब्रन्हम, *इस* बात को घटित होना ही था, और *उस* बात को घटित होना था।"

मैंने कहा, "ये एक ही घंटे में घटित हो सकती हैं।"

58 यदि आप भजन संहिता 22 को पढें, और फिर उसके मृत्यु के घडी की ओर क्रूस पर देखें, मैं बस अभी यह भूल गया हूं कि उसके जीवन के अंतिम दो या तीन घंटो में कितनी प्रमुख भविष्यवाणियां पूरी हुईं थी! निश्चित रूप से, "उन्होंने मेरे हाथों और पैरों को छेदा। हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? " और इत्यादि, जब दाऊद इसे चिल्ला उठा।

59 और फिर एक बात और है जो कि मैं चाहता हूं कि आप उस पर ध्यान दे, वह सत्य, परमेश्वर के वचन का अचूक भाग। बाइबिल ने कहा, "वह उसकी हड्डी–हड्डी की रक्षा करता है, और उन में से एक भी टूटने नहीं पाएगी।" क्योंकि प्रतिछाया में ईस्टर का मेमना एक प्रकार से उसी तरह से था। मेमने को बिना किसी दाग के होना अवश्य है, मेमने की कोई भी हड्डी टूटी हुई नहीं होनी चाहिए। और उस घड़ी में जब वह... उसकी मृत्यु हो गई थी, वे उसके पैरो को एक हथोड़ी से तोड़ने के लिए गए। और ठीक उसके पहले... उस बड़े निर्णायक घड़ी की ओर देखें! एक व्यक्ति हथौड़े के साथ उसके पैरों को तोड़ने के लिए तैयार था, लेकिन परमेश्वर के वचन ने कहा था, "उसके शरीर की एक भी हड्डी टूटने नहीं पाएगी।"

"भला यह किस प्रकार से होगा? " हम उसे जल्दी से देखते हैं।

60 परमेश्वर का वचन अनन्त है! यदि परमेश्वर का वचन इतना सिद्ध है, तब फिर वे जो कि मसीह में हैं उनका जी उठना उतना ही निश्चित है जितना निश्चित एक पुनरूत्थान का होना है। परमेश्वर आपको चंगा करने के लिए अपने वचन के प्रति उतना ही प्रतिज्ञाबद्ध है जितना कि वह आपको चंगाई देने के लिए, वैसे ही आपका उद्धार करने के लिए है। क्योंकि, वो, यह उसका वचन है जिसकी प्रतिज्ञा की है। यह परमेश्वर का वचन है, और हमें कोई भी अधिकार नहीं है कि हम उसमें से निकालें। लेकिन बस कहें, "यह सत्य है।" इसे विश्वास करें! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि क्या घटित होता है, हर हालत में विश्वास करें। इसी प्रकार से बाकि उन सभी को इसे विश्वास करना था, और हमको उस बात से अलग नहीं रखा गया है। परमेश्वर ने फिलस्तीन को इस्राएल को दे दिया, लेकिन उन्हें

उस हर एक इंच जमीन के लिए लड़ना था जो उन्हें मिला था। प्रतिज्ञा आपकी है, लेकिन आपको उस हर एक इंच के लिए लड़ना होगा जिसका आप दावा करते है; शैतान इसके लिए देखेगा, निश्चित रूप से वह ऐसा ही करेगा।

61 लेकिन ध्यान दे जब वे हमारे प्रभु यीशु के पैरों को तोड़ने के लिए तैयार थे, यदि वह हथौड़ी उसके पैरो पर लग जाती और इसे तोड़ देती, तो परमेश्वर झूठा पाया जाता। लेकिन उस संपूर्ण अंधकार यातना के स्थानों में इतने अधिक शैतान नहीं पाए जाते थे जो कि उस अमूल्य शरीर पर उस हथौड़ी को मारने देते। क्योंकि दाऊद ने उस समय आठ सौ वर्ष पहले कहा था, "और उसके शरीर में की एक भी हड्डी टूटने नहीं पाएगी।" परमेश्वर के वचन को सत्य बने रहना है।

62 लेकिन उन्होंने तब क्या किया? उन्होंने एक भाले को लिया और उसके बगल में छेदा, और लहू और पानी बाहर आया, इस बात को पूरा करने के लिए जो बाइबिल ने कहा था, "उन्होंने मेरी बगल और मेरे हाथों को छेदा।" परमेश्वर का वचन पूरा हुआ था।

63 अब जब वो मर रहा था, ओह, क्या ही भयानक घड़ी थी! मैं उस गीत के विषय में सोचता हूं, और, ईमानदारी से, यह बस मुझे बहुत ही बुरा प्रतीत करवाता है, जब मैं उस गीत के विषय में सोचता हूं जिसे उस कवि ने बहुत वर्षो पहले लिखा था।

बीच से फटती हुई चट्टाने और काले होते आसमान,
मेरे उद्धाकर्ता ने अपने सिर को झुका लिया और मर गया;
उस फटे हुए पर्दे ने एक मार्ग को प्रगट किया
स्वर्गीय आनन्दो और न समाप्त होने वाले दिन के लिए।

64 और जब वह वहां पर लटका हुआ हुआ था, लहू बह रहा था और वो मर रहा था, जब उसने अपने सिर को झुका लिया, सूरज अपने आप से बहुत अधिक शर्मिन्दा हुआ, उन नाश्वान सृष्टियो को नीचे देखकर जिन्हें परमेश्वर ने अपने स्वरूप में बनाया था; उन्हें छुड़ाने के लिए उसे इस प्रकार से दाम को चुकाना होगा; सूरज ने उस घड़ी धरती के ऊपर नीचे देखने से इंकार कर दिया। चन्द्रमा इतना अधिक शर्मिन्दा हों उठा इतना तक कि वह अपने स्थान से हट गया। और सितारों ने अपनी पीठ धरती की ओर

कर ली। क्या ही पाप अवश्य ही एक भयानक चीज होगी! किस प्रकार से परमेश्वर को उससे व्यवहार करना पड़ा था!

65 और उन उपहास उड़ाते हुए याजको को देखें, उसके चेहरे पर थूक लटक रही थी। एक व्यक्ति ने उसके सिर पर एक डंडे से मारा, और कहा, "यदि तू एक भविष्यद्वक्ता है, हमें बता कि किसने तुझे मारा।" उनमें से एक ने उसके चेहरे पर से उसकी दाढ़ी को खींचा, और उसके चेहरे पर तमांचा मारा, और वे चाहते थे कि वह अपने आप का बचाव करे।

66 उसने कहा, "यदि मेरा राज्य इस संसार का होता, मैं सीधे–सीधे अपने पिता को बुलाता, वह मेरे पास स्वर्गदूतों की बारह सेनाओ के गुट को भेज देता।"

67 यह बदल जाता, लेकिन वह इसे कैसे कर सकता था? वह बस उसे नहीं कर सकता था, क्योंकि वे उसकी अपनी ही संताने थी जो उसके लहू के लिए पुकार रही थीं। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक पिता, उसकी अपनी संताने (अंधकार में) अपने ही पिता के लहू के लिए चिल्ला रहे हो? यही कारण था कि वो मरने के अलावा कुछ और नहीं कर सकता था। यदि वह नहीं करता, तब उसके बच्चे नाश हो जाते थे, सारी सृष्टि नाश हो जाती थी। लेकिन उसे अपने लोगों को बचाने के लिए मरना ही था।

68 और जब उसने अपने सिर को झुका लिया, यह पुरानी पृथ्वी कंपकपा उठी थी। ये अवश्य ही बैचेन होकर उदासीनता में चली गई, क्योंकि बाईबिल ने कहा, कि, "संपूर्ण पृथ्वी छठे घड़ी से लेकर नौंवी घड़ी तक अंधेरी हो गई, अंधेरा सारी पृथ्वी के ऊपर था।" और पृथ्वी कांप उठी और चट्टाने फट गईं। और मंदिर का पर्दा ऊपर से नीचे तक फट गया; बलि की मेंजे उलट गई। जीवित परमेश्वर के पुत्र की मृत्यु हुई थी। उसकी इस प्रकार से मृत्यु हुई इतना तक कि सूरज ने उसे पहचान लिया। उसकी इस प्रकार से मृत्यु हुई इतना तक कि चंद्रमा ने उसे पहचान लिया। उसकी इस प्रकार से मृत्यु हुई इतना तक कि तारो ने उसे पहचान लिया। उसकी इस प्रकार से मृत्यु हुई कि पृथ्वी ने उसे पहचान लिया। उसकी इस प्रकार से मृत्यु हुई इतना तक कि तत्वों ने उसे पहचान लिया, वातावरण ने उसे पहचान लिया। हर एक चीज को यह जानना था कि वह परमेश्वर का पुत्र था! क्योंकि. परमेश्वर का वचन विफल नहीं हो सकता था, उसने प्रतिज्ञा कि, अदन की वाटिका से लेकर, "उसका बीज सर्प के सिर को कुचलेगा।"

69 अब उसे क्या हुआ था? वह कहाँ पर चला गया था जब उसने क्रूस को छोड़ा और यूसुफ नाम अरिमितियाह की कब्र में गया?

70 वह इतना अधिक निर्धन था कि उसके पास सिर रखने के लिए स्थान नहीं था। उसका जन्म चरनी में हुआ, उसके साथ एक बुरे नाम लगा हुआ था कि वह "एक अवैध संतान है।" उसके ऊपर इस धरती परहंसा गया, उपहास उड़ाया गया। उसका मजाक उड़ाया गया, उसे ठुकराया गया। और जब वो मरा, उसकी मृत्यु दो डाकुओं के मध्य प्राणदण्ड देने से हुई। और यहाँ तक कि उसको दफनाने के लिए स्थान नहीं था, उसे किसी और व्यक्ति की कब्र में दफनाया गया। वही स्वर्ग का परमेश्वर जो धरती पर आता है! तो हम क्या है जो खुद के लिए सोचे, जिसको कि छोटी सी परेशानीओं में होते हुए गुजरना होता हैं? उसने हमारे के लिए क्या किया! दोस्तों, उसके विषय में सोचे, इसका अधय्यन करें।

71 रोमी सिपाही ने कहा, "सही में, यह परमेश्वर का पुत्र है।" पापी को उसे पहचानना था। यहूदा ने कहा, "मैंने निर्दोष लहू को धोखा दिया।" उसे ये पहचानना था। संपूर्ण धरती को इसे पहचाना था।

72 तब फिर वह कहाँ पर गया था? जब एक व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो क्या वह समाप्त हो जाता है? नहीं श्रीमान। उसे उस प्रकार से मरना था क्योंकि परमेश्वर की बाइबिल ने कहा था कि उसकी मृत्यु उस प्रकार से होगी। और उसने परमेश्वर के वचन पर भरोसा किया। यही कारण था कि वह अपने जीवन में इस बात को कह सकता था, "इस मंदिर को गिरा दो, और मैं उसे तीन दिन में खड़ा कर दूंगा।"

73 क्योंकि दाऊद ने केवल एक जगह पर बाइबिल में प्रेरणा के नीचे कहा था, जब दाऊद, जो कि परमेश्वर का मनुष्य था, वह भविष्यवक्ता था जो कि वचन से अभिषिक्त था, कहा, "क्योंकि तू मेरे प्राणों को अद्योलोक में न छोड़ेगा; और न अपने पवित्र जन को सड़ने ही देगा।"

74 यीशु ने कहा, "तुम इस देह का नाश कर दो, और मैं इसे तीन दिनों में उठा खड़ा करूंगा।" वह जानता था कि परमेश्वर का वचन विफल नहीं हो सकता है। ओह, मेरे परमेश्वर!

75 यदि वह दृढ़तापूर्वक उस पर विश्राम कर सकता है, यह विश्वास करते हुए कि परमेश्वर का वचन कभी विफल नहीं होता, तो फिर हमें कितना अधिक दृढ़तापूर्वक के साथ इस बात पर विश्राम कर सकते है कि हमारा

नया जन्म पवित्र आत्मा के द्वारा हुआ है, और ये ठीक अभी हमारे हृदय में गवाही है कि हम जानते हैं कि हमारा छुड़ानेवाला जीवित है और किसी दिन वह वापस आएगा। इस बात के लिए सुनिश्चित है कि वे जो मसीह में हैं, उन्हें परमेश्वर अपने साथ लेकर आएगा! अब ध्यान दें।

76 वह वहाँ पर था। वह जानता था कि उसकी देह की एक भी कोशिका नहीं सड़ेगी। बहत्तर घंटो के बाद सडना आरंभ हो जाता है। यही कारण था कि वह वहां पर तीन दिनों से अधिक नहीं रुका। वह शुक्रवार की दोपहर को मरा, और रविवार की सुबह जी उठा। लेकिन, यह सब उन तीन दिनों के अन्दर होना था। तीन दिनों के अन्दर उसे फिर से जी उठना था, क्योंकि उसने परमेश्वर के वचन पर भरोसा किया।

77 यहां पर वह जाता है! जब वह गया तो वह कहां पर गया? बाईबिल ने कहा, "वह ऊँचे पर उठाया गया। और उसने उन प्राणों को जाकर प्रचार किया जो कि कैद में थी, जिन्होंने नूह के धीरज धरने के दिनों में पश्चाताप नहीं किया था।" उसका प्राण, उसकी आत्मा, उसके स्वयं के अस्तित्व का अपना दैविक शरीर, नीचे गया। आईए हम उसका अनुकरण करें। क्या आप आज रात्रि कुछ मिनटों के लिए उसका अनुकरण करना चाहते हैं? आईए देखें कि वह कहां पर गया था।

78 मरनहार जीवों के स्थानों के ठीक नीचे शैतानी शक्ति के स्थान पर पड़े हैं; उसके नीचे... उसके ठीक ऊपर अधर्मी लोगों के प्राण रखे हैं; उसके नीचे वही शैतान का अधिकार क्षेत्र है, अद्योलोक। फिर ठीक हमारे ऊपर पवित्र आत्मा है; फिर वेदी के नीचे धर्मी लोगों के प्राण रखे हैं; उसके बाद अगला परमेश्वर स्वयं है। एक नीचे की ओर जाता है, एक ऊपर की ओर जाता है; दोनों आत्माएं यहाँ धरती पर हैं, धरती के लोगों पर प्रभाव डालते हुए।

79 और जब यीशु की मृत्यु हुई, वह यहाँ ऊपर, वहां नीचे की ओर गया। मैं उसे उसकी मृत्यु के बाद उस शुक्रवार दोपहर को देख सकता हूं, [भाई ब्रन्हम खटखटाते हैं—सम्पा।] वह भटके हुए लोगों के स्थानों के द्वार पर खटखटाता है। आईए हम एक मिनट के लिए उसका अनुकरण करें। द्वार खुलता है। वहाँ पर स्त्रीयां थीं, वहां पुरूष थे, वहाँ पर युवा महिलाएं थीं, वहाँ पर बूढ़े थे, वे सारे एक साथ उस डरावने स्थान पर थे जिसको कि खोये हुए प्राणों का कैदखाना कहा जाता है।

80 यदि मेरे पास समय होता था, तो मैं आपको बताता। और ये बस एक दर्शन हो सकता है। लेकिन एक बार मैं उस स्थान पर गया था, और दया के लिए चिल्लाया था, जब मैं एक पापी था मैं उस कार्य प्रणाली के नीचे जा रहा था। जब मैं बाहर आया, मैं अपनें हाथों को स्वर्ग की ओर उठाकर पश्चिम में खड़ा हुआ था, और क्रूस मेरे ऊपर चमक रहा था।

81 लेकिन उस उदासीन स्थान पर वहाँ, यीशु उस द्वार तक चलकर गया। हर एक चीज को गवाह होना था कि वह परमेश्वर का पुत्र था, क्योंकि उन्हें नूह के धीरज धरने के दिनों में प्रचार किया गया था। वो द्वार पर खटखटाता है, उसने कहा, "मैं ही वो हूं जिसके विषय में हनोक ने बोला। मैं स्त्री का बीज हूं, जिसे सर्प के सिर को कुचलना था। परमेश्वर का हर एक वचन पूरा हो चुका है; मेरी मृत्यु अभी वहाँ कलवरी पर हुई है, और मैंने अपनी कलीसिया को खरीद लिया है। और जिसके विषय में हनोक ने कहा था, वो मैं ही हूं।" और वे वहाँ वर बिना किसी दया के थे, बिना किसी आशा के थे, क्योंकि उन्होंने अपराध को किया था। और द्वार उनके मुँह पर बन्द हो गया था।

82 और नीचे शैतानों के श्रेत्रो पर। और नीचे उन्ही अद्योलोक के फाटको पर! वह द्वार पर खटखटाता है। [भाई ब्रन्हम खटखटाते हैं—सम्पा।]

83 यह तब हुआ जब वह कब्र में था, उसकी देह पुनरूत्थान के लिए रुकी हुई है। वह उन स्थानों में गया जहाँ पर धर्मी और अधर्मी जाते हैं; जहाँ पर आप इनमें से किसी एक दिनों में जाएंगे, इन स्थानों में से किसी एक स्थान में।

84 और वह खटखटाता है [भाई ब्रन्हम खटखटाते हैं—सम्पा।] अद्योलोक के द्वार पर खटखटाता है। और, जब उसने ऐसा किया, शैतान बाहर आया। और मैं बस उसे यह कहते हुए सुन सकता हूं, "ओह आखिरकार तू आ ही गया। मैंने निश्चय ही सोचा था कि जब मैंने हाबिल को मार डाला था तब मेरे पास तुम थे।"

85 आप समझे, जब बीज की प्रतिज्ञा अदन की वाटिका में की गई, शैतान ने हमेशा से कोशिश की कि उस बीज का नाश कर दे। और हाबिल की मृत्यु, और शेत का आना, वह केवल मसीह का मरना, दफन होना और जी उठना था। बीज को बढते ही रहना था। और उसने यह यत्न किया कि उसका नाश कर दे।

86 उसने कहा, "मैंने सोचा कि मैंने तुझे पा लिया था जब मैंने हाबिल का नाश किया था। मैंने सोचा कि मैंने तुझे पा लिया था जब मैंने भविष्यद्वक्ताओं का नाश किया था। मैं निश्चित था कि मैंने तुझे पा लिया जब मैंने यूहन्ना का सिर कटवाया था। लेकिन अब, इस सबके बाद भी, तू यहाँ पर आ पहुंचा। अब मैंने तुझे पा लिया।" ओह, मेरे परमेश्वर!

87 मैं उसे कहते हुए सुन सकता हूं, "शैतान, इधर आ!" वो अब स्वामी है। वहाँ पर पहुंचता है, उसकी बगल से मृत्यु और अद्योलोक की चाबियों को झपट कर ले लेता है, उसको अपने बगल में लटकाता है। "मैं तुझ पर अब एक अधिसूचना जारी करता हूं। तू बहुत समय से धोखा देता आया है। मैं कुंवारी से जन्मा जीवते परमेश्वर का पुत्र हूं। मेरा लहू अब भी क्रूस पर गीला है, और संपूर्ण कर्जे को चुकाया जा चुका है! अब तेरे पास और अधिक कुछ भी अधिकार नहीं रहा। तू उघाडा हो चूका है। मुझे उन चाबियों को दे!" सही यह ठीक बात है। पीछे मुडता है और उसे एक बहुत जोर की लात मारता है, और द्वार को जोर से धक्का देता है, और कहता है, "यहीं पर रह! अब से मैं स्वामी हूं।"

88 अब, उसके पास राज्य की चाबियां नहीं थीं, क्योंकि उसने उन्हें पतरस को दे दिया था; हम इस बात को सुबह देखेंगे, जब हम पानी के बपतिस्में को देगे। लेकिन उसके पास मृत्यु और अद्योलोक की चाबियां थीं, और उसने उन्हें ले लिया; उसके पुनरूत्थान के बाद उसने कहा, "मेरे पास मृत्यु और अद्योलोक की चाबियां हैं।" पतरस के पास राज्य की चाबियां थीं। शैतान के पास मृत्यु और अद्योलोक की चाबियां थीं; लेकिन अब वे यीशु के पास हैं, वह अब स्वामी है।

89 वह यहाँ पर आरंम करता है। ईस्टर का समय हो रहा है; समय तेजी से गुजर रहा है। लेकिन यहाँ पर एक और झुण्ड है। अय्यूब कहाँ पर है? अब्राहम कहाँ पर है? वे कहाँ पर हैं? वे लोग कहाँ पर हैं जिन्होंने परमेश्वर के क्चन पर भरोसा किया था? क्या उसने उन्हें भुला दिया? क्या मृत्यु ने उन्हें नाश कर दिया? क्या ऐसा ही सब था? कभी नहीं, कभी नहीं; परमेश्वर को अपना वचन रखना होता है।

90 मैं उसे देख सकता हूं। आईए हम सब थोडा उस स्वर्ग में झांक कर देखें, और वहां पर देखें। और मैं वहां पर सारा और अब्राहम को यहाँ–वहां चलते हुए देख सकता हूं, और कुछ समय के बाद [भाई ब्रन्हम खटखटाते

हैं—सम्पा।] कोई द्वार पर है। अब्राहम जाकर और द्वार को खोलता है, कहता है, "प्रिय, यहां आओ। यहां पर देखो! यहां पर देखो, यह तो वही है जो कि मेरे साथ उस बतूल के पेड़ के नीचे उस दिन खड़ा था।" वह अब्राहम का परमेश्वर है।

91 ठीक तभी मैं दानिय्येल को उसके कंधों के ऊपर से देखते हुए देख सकता हूं, और कहता हूं, "यह तो वो चट्टान है जो कि उस पहाड़ में से खोदी गई थी, यह उतना ही निश्चित है जितना निश्चित मेरा यहां पर खड़ा होना है।"

92 मैं अय्यूब को खड़ा होते हुए देख सकता हूं, "यह मेरा छुड़ानेवाला है जिसके लिए मैंने कहा था कि मैं जानता हूँ कि वो जीवत है, और किसी दिन वह धरती पर खड़ा होगा। मेरी देह हो सकता है कुछ और नहीं वरन एक चम्मच भर राख क्यों ना हो, परंतु अब से पन्द्रह मिनटों में मैं उसी देह में होऊंगा। यह वही है।"

93 यहेजकेल ऊपर से देखता है, और कहता है, "मैंने इसी व्यक्ति को पहिए के अन्दर के पहिए के रूप में देखा था, जो कि वहाँ ऊपर हवा में घूम रहा था।" ओह, मेरे परमेश्वर!

94 तब फिर हनोक ऊपर आता है। हनोक कहता है, "मैंने उसे न्याय को करने के लिए दस हजार संतो के साथ आते हुए देखा था।"

95 वहाँ पर पुराने नियम के संत थे जो रुके हुए थे, निश्चित रूप से वे लहू के प्रायश्चित के नीचे थे। वे परमेश्वर की उपस्थिति में नहीं जा सकते थे, स्वर्ग के परमेश्वर की उपस्थिति में, क्योंकि भेड़ो और बकरीयों का लहू पाप को नहीं ले जा सकता था।

96 लेकिन उसने कहा, "मेरे भाईयों, मैं वही एक हूं जिसको कि आप सोचते है कि मैं हूं। मैं स्त्री का बीज हूं। मैं दाऊद का पुत्र हूं। मैं परमेश्वर का पुत्र हूं। मैं वो एक कुँवारी से जन्मा हूं। मेरे लहू ने इसके लिए प्रायश्चिता किया है। तुमने भेड़ों और बकरियों के लहू के नीचे रुके रहे, लेकिन अब मेरा लहू प्रायश्चिता करता है, और अब तुम स्वतन्त्र हो। आओ ऊपर चलें, ईस्टर का समय आ पहुंचा है।" जरा सोचें, आज रात्रि, यह बात लगभग उन्नीस सौ और कुछ वर्ष पहले हुई थी।

97 मैं अब्राहम को कहते हुए सुन सकता हूं, "प्रभु, हम हमारे देहों में फिर से कब जाएंगे; और सारा और मैं उससे बस कितना अधिक प्रेम करते थे;

क्या आप को बुरा तो नहीं लगेगा यदि हम एक प्रकार से आपके मार्ग में थोड़ी देर के लिए रूक जाएं? ”

98 अच्छा, मैं उसे कहते हुए सुन सकता हूं, “क्यों नहीं, निश्चित रूप से नहीं, मैं अपने चेलों के साथ लगभग चालीस दिनों तक रूकुंगा। यहाँ–वहां देखो और यह देखो कि सब कुछ कैसा दिखता है!”

99 उस महिमामय ईस्टर की सुबह (यदि प्रभु की इच्छा हुई तो हम इसे सुबह को ले लेंगे) जब वह मरों हुओं में से जी उठा, बाइबिल मत्ती 27 के अनुसार कहती है, कि, “बहुत से संत जो कि धरती की मिट्टी में सो रहे थे, वे जी उठे और अपने कब्रो में से बाहर आ गए।” वे कौन थे? अब्राहम, ईसाहक, याकूब, अय्यूब, वे जो कि आत्मिक रूप से प्रगट प्रकाशन के द्वारा जानते थे कि छुड़ानेवाला धरती पर किसी दिन खड़ा होगा। वे वही लोग थे, उन सोए हुओं के पहले फल थे। वे वहां पर नगर में चले फिरे। मैं सारा और अब्राहम को देख सकता हूं, युवावस्था में, और पूरी तरह से... और सुन्दर, और—और जीवन से भरपूर, ना ही कभी बूढ़े होने के लिए, ना ही कभी बिमार होने के लिए, न कभी भूखे होने के लिए, अपनी देहों में यहाँ–वहां चल फिर रहे हैं।

100 काईपस वहाँ पर खड़ा हुआ था, कह रहा था, “तुम जानते हो कि क्या बात है? वहां एक दिन कुछ तो हुआ था, बस जरा इस मंदिर में देखों कि किस प्रकार से अव्यवस्थित है! वहां... हम किसी को तो बुलाएँगे ताकि उस परदे को सिलाई करे। उन बलिदान के बक्सों को देखों कि कैसे उलटे पड़े हैं। क्या हुआ? क्या वह व्यक्ति भविष्य बतानेवाला था? क्या वह कोई जादूगर था? या, क्या हुआ था? कहो! यहाँ पर आओ, जोसेफस, वहाँ पर वे युवा जोड़ा जो खडा हुआ हैं, वे कौन हैं? ”

अब्राहम ने कहा, “सारा, हमें पहचान लिया गया है। अच्छा होगा कि हम बाहर चले जाएं।”

101 “बहुतों को दिखाई दिए!” यही सब कुछ नहीं था। समाप्त करते हुए, देखें। एक दिन जब उसने... उन्होंने वहाँ दौरा किया था; अब्राहम, इसहाक, याकूब, और उन सभी ने स्वदेश का दौरा किया था। जब यीशु ऊपर गया...

102 आप कहते हैं, “भाई ब्रन्हम, क्या यह कोई काल्पनिक कथा है? ” नहीं श्रीमान! मैं आपको वचन में से कुछ मिनटों में दिखाऊँगा।

103 जब उसने ऊपर जाना आरंभ किया, उन्होंने केवल उसी को देखा था, लेकिन पुराने नियम के संत उसके साथ में गए थे, क्योंकि बाईबिल ने कहा कि, "बन्धुवाई को बान्ध ले गया, और मनुष्यों को दान दिए।" और जैसे कि वह ऊपर जाता है और अपनी कलीसिया से मिलता है, मैं उसे देख सकता हूं।

104 दो दूत जो कि संगीत मंडली में थे और संगीत को बजा रहे थे, वहाँ पर वापस आए, और कहा, "हे गलीली पुरूषों, तुम क्यों खड़े ऊपर की ओर देख रहे हो? क्योंकि यही यीशु, जो स्वर्ग पर उठा लिया गया है, वह फिर आएगा।" निश्चित रूप से! वे जल्दी से उस शोभायात्रा में शामिल होने के लिए वापस वले गए।

105 और आकाश में से होते हुए यीशु और पुराने नियम के संत चले गए। उन्होंने चन्द्रमा को पार किया, उन्होंने सूरज को पार किया, उन्होंने सितारों को पार किया। और जब वे उस महान सुन्दर सफेद स्वर्ग के स्थान में पहुंचे, पुराने नियम के संत चिल्ला उठे, वचन से बता रहा हूँ, "हे फाटकों, सनातन के द्वारों, और अपने सिर ऊंचे करो। हे सनातन के द्वारों, ऊंचे हो जाओ, और अपने सिर ऊंचे करो! क्योंकि महिमा का राजा प्रवेश करेगा!"

106 सारे स्वर्गदूत स्वर्ग के गलियारों के ऊपर जमा हो गए, और कहा, "यह महिमा का राजा कौन है? "

107 पुराने नियम के संतों ने कहा, "सेनाओं का यहोवा परमेश्वर जो युद्ध में पराक्रमी है! वह जयवंत हुआ था!"

108 स्वर्गदूत ने एक बड़े से बटन को दबाया, और वो मोतियों का फाटक खुल गया।

109 यरूशलेम के शहर में से होते हुए वह महान शक्तिशाती विजेता, उन पुराने नियम के संतो को लेकर आता है। संगीत बजाने वाले स्वर्गदूत संगीत बजा रहे थे, और स्वर्गदूत चिल्ला रहे थे। वह शक्तिशाली विजेता था! उसके बगल में मृत्यु और अधोलोक की चाबियां लटक रही थी, सीधे महिमा से भरे महलों के पास से होते हुए जाने लगा जब तक कि वह सिहांसन तक ना आ गया। और उसने कहा, "पिता, यहां पर है वे। उन्होंने विश्वास किया, आपके वचन पर भरोसा किया, कि मैं किसी दिन आऊंगा। मैंने मृत्यु और अधोलोक दोनों पर जय पाई है।" भाई, ये क्या था? उसके हाथों में निशान थे, यह दिखाने के लिए कि वो युद्ध में रहा था। ऊँचे पर परमेश्वर की महिमा

हो! वो शक्तिशाती जयवंत है! "पिता, यहां पर है वे; अब्राहम, इसहाक और याकूब।"

110 मैं उसे कहते हुए सुन सकता हूं, "पुत्र, यहाँ ऊपर मेरे पास चढकर आ जओा, और बैठ जाओ, जब तक मैं तेरे हर एक शत्रु को तेरे पाँव रखने की चौकी न कर दूं।" भाई, किसी दिन वह वापस आएगा, और क्या ही वो दिन होगा!

111 जब वह कब्र में था जो कि व्यर्थ बैठा नहीं रहा। हम यह सोचते हैं कि वह बस वहाँ पर मृत पड़ा हुआ था। लेकिन वह अभी भी जय को पा रहा था, वह नीचे गया और शैतान से चाबियों को लिया, उसके पास मृत्यु और अधोलोक दोनों की कुंजियां है, आज की रात। उसने कहा, "क्योंकि मैं जीवित हूं, तुम भी जीवित रह सकते हो।"

112 मेरे प्रिय भाईयो, बहनो, आज रात्रि मैं यह सोचता हूं, क्या आप ने ईमानदारी से उस बात के विषय में सोचा है? क्या आप को इस बात का अहसास है कि आप केवल इसलिए जीते हैं क्योंकि वह जीवित है? क्या आपने इसकी पर्याप्त सराहना की है कि आप अपने आप को समर्पित करें, और कहें, "परमेश्वर, मैं यहाँ पर हूं, एक पापी, मुझ पर दया करे"? क्या आपने कभी उस सर्व पर्याप्त बलिदान को स्वीकार किया है? क्या आपने कभी उसको यह बताया है कि आप उससे प्रेम करते हैं? क्या यह आपकी भावनाओं को चोट पहुँचाता है जब आप गलत करते हैं? यदि आप कभी उस अनुभव तक नहीं आए हैं, इस दफनाए जाने में! जब, हमारा समय निकल रहा है। बस अच्छा महसूस कर रहे हैं! लेकिन, मैं सोच रहा हूं, यदि आपने कभी भी मसीह को अपना व्यकिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण नहीं किया है, तो मैं सोचता हूं कि क्या आप ऐसा करेंगे जब हम अपने सिरों को एक क्षण के लिए कुछ शब्दो की प्रार्थना के लिए झुकाते है।

113 उस गीत को बजाये, *बीच से फटती हुई चट्टाने,* क्या आप ऐसा करेगी बहन गरटी, यदि आपके पास में वो गीत है तो। तो ठीक है, कुछ भी चलेगा।

114 अपने सिरों को झुकाए हुए, मैं आपसे एक वास्तविक सत्यनिष्ठा का प्रश्न पूछना चाहता हूं। मित्रों, याद रखे, आप चाहे पापी हो या संत हो, जब हम आपको दफन करते हैं तो आप बिना अस्तित्व के नहीं होते हैं। आपका प्राण कहीं पर तो होता है। अब, वचनो के अनुसार यीशु दोनों स्थानों पर गया था। यदि आप आज रात्रि चले जाते है तो वह आपको कहां पर पाएगा?

क्या आप के लिए दया का द्वार आप के सामने बन्द कर दिया जाएगा, क्योंकि आप ने ठुकराया है? याद रखे, वह केवल उद्धारकर्ता ही नहीं है, वो न्यायाधीश भी है। अभी आप न्यायाधीश हैं, आप उसका न्याय कैसे करते हैं? उसे अभी अपना उद्धारकर्ता होने दें।

115 एक छोटी सी कहानी मेरे मन में आती हैं। कुछ समय पहले एक छोटा लड़का एक—एक छोटी सी गाड़ी में बैठा हुआ था। वक बंदूक सड़क पर चलती है, और घोड़े भागने लगे और वो एक सीधी चट्टान के ऊपर से जा रहा था। एक युवा घुडसवार लड़का भागा और घोड़ों को रोका इससे पहले कि गाडी चट्टान के नीचे चली जाती, क्योंकि उस पर एक बच्चा था। उसने उस छोटे बच्चे की जान बचाई।

116 इस बात के बहुत वर्षों के बाद, वो न्यायालय में खड़ा हुआ। उसी लड़के ने एक अपराध किया था, एक ऐसा मार्ग को लिया था जो कि गलत था, वो दोषी था। वह शराब पी रहा था, जुआ खेल रहा था, और उसने एक व्यक्ति को गोली मार दी थी; और वह दोषी था, उसे दोषी पाया गया था। और न्यायाधीश उठ खड़ा हुआ और कहा, "मैं तुम्हें यह सजा सुनाता हूं कि तुम्हें गले में फांसी देकर लटकाया जाए जब तक तुम्हारा नाशवान जीवन तुम में से निकल नहीं जाता।"

117 उस युवा व्यक्ति ने कहा, "न्यायाधीश!" और उसने न्यायालय की व्यवस्था को तोड़ दिया, जब वह बाडे के ऊपर से कूद पड़ा और न्यायाधीश के पैरों पर दया मांगने के लिए गिर गया। उसने कहा, "न्यायाधीश, मेरे चेहरे की ओर देखे! क्या आप मुझे नहीं पहचानते हो? "

उसने कहा, "नहीं पुत्र, मैं नहीं पहचानता हूं।"

118 उसने कहा, "आप को याद होगा कि आपने बहुत वर्षो पहले एक छोटे से बच्चे के जीवन को एक भागते हुए घोड़े से बचाया था? "

उसने कहा, "हाँ, मुझे याद है।"

119 उसने कहा, "मैं ही वह छोटा बच्चा हूं।" उसने कहा, "न्यायाघीश, आपने मुझे तब बचाया था। मुझे अभी भी बचा लो!"

120 न्यायाधीश ने उसकी ओर देखा, और कहा, "पुत्र, उस दिन मैं तुम्हारा उद्धारकर्ता था। आज मैं तुम्हारा न्यायाघीश हूं।"

121 आज वो आपका उद्धारकर्ता है, पापी, कल वह आपका न्यायाधीश हो सकता है। आइए इस बात के विषय में सोचें, जबकि संगीत बज रहा है। और वे सभी प्रार्थना कर रहे हैं जो कि परमेश्वर के साथ प्रार्थना के स्थल पर हैं।

122 अब मैं आज रात्रि यह सोचता हूं, जल्दी से, वे जो कि मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के नाई ग्रहण करना चाहते हैं, कहे, "परमेश्वर, मुझ पापी पर दया करे। मैं बहे हुए लहू के पास आना चाहता हूं। मैं जगह–जगह भागते हुए और कलीसिया से जुड़ते हुए थक चुका हूं। मैं फिर से नया जन्म पाना चाहता हूं। मैं अपने हृदय से उस अनुभव को चाहता हूं कि मैं यह जान जाऊं कि मसीह ने अपने आप को मुझ पर प्रकट किया है, उस आत्मिक प्रकाशन के द्वारा जिसे भाई ब्रन्हम आपने अभी बताया। मैं आत्मिक प्रकाशन को चाहता हूं, पवित्र आत्मा को अपने हृदय में चाहता हूं, जो कि मुझे जीवित बनाता है, मसीह को मेरे लिए और अधिक वास्तविक बनाता है, उससे भी अधिक जितना कि मैं अपने आप से हूं। भाई ब्रन्हम, मैं उस अनुभव की ईच्छा रखता हूं। क्या आप मेरे लिए प्रार्थना करेंगे जब मैं अपने हाथ को उठाता हूं?" क्या आप अब अपने हाथ को उठाएंगे, वे जो चाहते हैं कि उनको स्मरण किया जाए। महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे आप जो वहां पीछे की ओर है। यह अच्छी बात है। परमेश्वर आपको आशीष दे, है, श्रीमान। यह अच्छी बात है। अपने हाथों को उठाए, अब आप अपने हाथों को उठाते हुए आगे बढे।

123 आप भला किस प्रकार से लज्जित हो सकते हैं? क्या आप इस तरह से ठुकरा सकते हैं, मित्र? याद रखे।

124 "ओह," आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, प्रचारकों ने वर्षों से प्रचार किया है।" मैं जानता हूं, लेकिन इनमें से किसी दिन वे प्रचार करना बंद कर देंगे। और जिस प्रकार से चीजें दिख रही है, यह ठीक बहुत जल्द हो सकता है। आप अपने अंतिम उपदेश को सुनने जा रहे हैं। साफ़–साफ़ कहूं तो, यह हो सकता है आपका अंतिम हो।

125 "ओह," आप कहते हैं, "मैं तो युवा हूं।" इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। मृत्यु किसी भी व्यक्ति के उम्र या किसी भी योग्यता का आदर नहीं करती है।

126 क्या उसे अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करेंगे, अपने हाथ उठाने के द्वारा, कहते हुए, "परमेश्वर, मुझ पर दया करे"? बाकि सभी के साथ अपने हाथों को उठाये, और कहें, "अब मैं मसीह को ग्रहण करना चाहता हूं।" क्या आप अपने हाथा को उठाएंगे?

127 कोई तो जो पीछे हट चुका है, वो कहे, "परमेश्वर, मुझ पर दया करे। मैं इस रात्रि मसीह के पास वापस आना चाहता हूं, जिससे कि आने वाले कल में मेरे लिए एक नया पुनरूत्थान होने पाए।" क्या आप अपने हाथों को उठाएंगे? अपने हाथों को ऊपर करे, कहें, "मुझ पर दया करे। मैं अब आना चाहता हूं।" क्या आप ऐसा करेंगे? अपने हाथों को उठाये, कहें, "मैं पीछे हट चुका हूं, लेकिन आज रात्रि... " महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। यह अच्छी बात है। "मैं मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करूंगा। मैं उसे आज रात्रि ग्रहण करूंगा। मैं बहुत वर्षों से परमेश्वर से दूर भटक चुका हूं, लेकिन अब मैं घर आ रहा हूं।" क्या आप आज रात्रि उसे ग्रहण करेंगे, जिससे कि यह आपके लिए एक नया पुनरुत्थान होने पाए, आपका पुराना जीवन समाप्त होने पाए?

128 यह महिला वेदी पर आ रही है, ताकि खड़े होने के लिए अपने अंगीकार को करे। कोई और है जो कि अपने स्थान को यहां पर लेना चाहता है, उसके साथ यहां पर आए, उनके अंगीकार करने पर? क्या आप खड़े होंगे, और वेदी की ओर भी आएंगे। वेदी खुली हुई है। निश्चित रूप से। ठीक अभी, आप आगे आ जाएं। यदि आप यहां पर खड़े होकर और प्रार्थना करना चाहते हैं, तो यह बस ठीक रहेगा। आगे आये। क्या आप आएंगे? आपके विश्वास के द्वारा अंगीकार पर, परमेश्वर के पुत्र में आपके विश्वास के द्वारा, क्या आप अभी आएंगे? तो ठीक है।

129 यह आपके ऊपर है, आप याद रखे। आप ही वो एक है। क्या आप एक पापी हैं? क्या आप पीछे हट चुके हैं? क्या आप ठंडे पड़ चुके हैं और मसीह से दूर हैं? क्या आप अभी उसके साथ एक सिरे से जी उठना चाहते हैं और नए सिरे से जीवन आरंभ करना चाहते हैं? आप पति और पत्नी के बारे में क्या जो लम्बे समय से बाहर रहे—रहे है, अपने घरों में लड़ते हैं? क्या आप आकर और परमेश्वर के साथ और एक दूसरे क॑ साथ उस मामले को

ठीक नहीं करेंगे? इस ईस्टर को अपने लिए एक वास्तविक ईस्टर बनाये, एक नये घर को आरंभ करे।

130 आप के विषय में क्या जिन्होंने कभी भी अपने घर में प्रार्थना नहीं की है, आप बस कलीसिया से घर जाते हैं और जितना अच्छी तरह से हो सकता है, उतनी अच्छी तरह से जीवन को जीने की कोशिश करते हैं, कभी भी अपने परिवार के साथ एकत्र होकर प्रार्थना नहीं करते हैं? इसी कारण हमारे पास बाल अपराध के मामले है और ऐसी चीजें जो कि हमारे पास है। यही कारण है कि अमेरीकी घर टूट चुके हैं। क्या आप आकर, आज रात्रि नए सिरे से आरंभ नहीं करेंगे? क्या आप ऐसा करेंगे? आपको निमंत्रण है। याद रखे, मैं अभी आपका सेवक हूं; उस दिन पर मैं एक गवाह होऊँगा।

जबकि हमारे सिर अब प्रार्थना के लिए झुके हुए हैं।

131 हमारे धन्य स्वर्गीय पिता, आज रात्रि हम इस सभा के लोगो को आप के पास लाते है, जितनी अधिक सत्यनिष्ठा पवित्र गम्भीरता से जितना हम जानते हैं कि कैसे लाना है। हम नम्रतापूर्वक आपके सिंहासन पास आते हैं। और आज रात्रि के संदेश के बाद, कि, वो महान दफनाया जाना, वह शान्तना होकर लेटा रहा, उसका प्राण ठीक उन स्थानों में चला गया और परमेश्वर के उस कार्य को पूरा किया, जिसको करने के लिए उसको ठहराया गया था। और कल सुबह, हम यह देखेंगे कि वह ऊपर के स्थानों में से होते हुए हर एक चीज पर जय प्राप्त करते हुए उसके पुनरूत्थान में कहाँ पर गया था। लेकिन वह ईस्टर की सुबह को हमारे धर्मी ठहराने के लिए बाहर आया था। और हम देखते हैं कि उसने पवित्र आत्मा को वापस भेजा, ताकि मनुष्य को पाप के लिए दोषी ठहरा सके।

132 और प्रभु, आज रात्रि हम प्रार्थना करते हैं, कि जिन लोगों ने अपने हाथों को उठाया है होने पाए कि उन्हें आपके सामने याद किया जाए। होने पाए कि आज रात्रि उनके निर्णय उनके ह्रदय से हो, कि उन्होंने आपको ग्रहण किया है, और आप पर विश्वास करते है, और होने पाए कि वे आज रात प्रतिज्ञा की मोहर के द्वारा मोहरबंद हो जाए, जो कि पवित्र आत्मा है। पिता, इसे प्रदान करें। क्योंकि आज रात के इस संदेश के साथ, उन्हें हम आपको सौंपते हैं। होने पाए कि ये आशीषित करे जितनों ने इसे सुना है, वे, प्रभु, जो कि इसे अपने साथ उनके घर ले जाएंगे, और इसे उनके

हृदयों की गहराई से बसने दे। होने पाए कि वे परमेश्वर के वचन के अनुसार जीये। पिता, इसे प्रदान करें, क्योंकि हम इसे मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

दफ़नाया जाना HIN57–0420

(The Entombment)

ईस्टर बेदारी की श्रृंखला

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में शनिवार शाम, 20 अप्रैल, 1957 को, ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org